NEWS CLIPPING: 07.06.2018

PUNJAB KESARI

अकादमिक सहयोग व अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

वाईएमसीए विवि ने एआईएसीटीआर, दिल्ली से किया समझौता

फरीदाबाद, 6 जून (सूरजमल): अकादमिक तथा शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने अम्बेडकर इंस्टीट्यूट आफ एडवांस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजिस एंड रिसर्च (एआईएसीटीआर), दिल्ली के साथ समझौता किया है।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के डीन (अकादमिक) प्रो. विक्रम सिंह तथा एआईएसीटीआर, दिल्ली के प्रिंसिपल डॉ. राजीव कपूर ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों

वीएमसीए में एमओयू साईन करते हुए पदाधिकारी।

के अध्यक्ष डॉ. मनीष वशिष्ट, डॉ. राज कुमार तथा डॉ. कोमल भाटिया, निदेशक, इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली तथा निदेशक, एलुमनी व कारपोरेट अफेयर डॉ. संजीव गोयल, एआईएसीटीआर, दिल्ली से डॉ. नन्हे सिंह तथा डॉ. सुरेश पुनिया भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों में शिक्षण तथा अनुसंधान के स्तर पर सुधारने में सहयोग देगा और इससे संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों के बीच आपसी संवाद तथा सहयोग बढ़ेगा। वे परस्पर सहमति द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन भी कर सकेंगे।

दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम विकास गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी और वे लैब, लाइब्रेरी तथा उपकरणों को परस्पर साझा कर सकेंगे। एआईएसीटीआर, दिल्ली के प्रिंसिपल डा. राजीव कपूर ने कहा कि समझौते से दोनों उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। दोनों संस्थानों में विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन तथा कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में पंजीकृत शोधार्थी परस्पर सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। डॉ. कपूर ने कहा कि एआईएसीटीआर, दिल्ली ने लगभग 90 प्रतिशत संकाय सदस्य पीएचडी है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 07 June 2018
epaper.punjabkesari.in/c/29313317

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 07.06.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए ने किया एआईएसीटीआर के साथ समझौता

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): अकादमिक तथा शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने अम्बेडकर इंस्टीट्यूट आफ एडवांस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजिस एंड रिसर्च एआईएसीटीआर दिल्ली के साथ समझौता किया है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो विक्रम सिंह तथा एआईएसीटीआर, दिल्ली के प्रिंसिपल डॉ राजीव कपूर ने कुलपति प्रो दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष डॉ मनीष वशिष्ट, डॉ राज कुमार तथा डॉ कोमल भाटिया, निदेशक, इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ रश्मि पोपली तथा निदेशक, एलुमनी व कारपोरेट अफेयर डॉ संजीव गोयल, एआईएसीटीआरए दिल्ली से डॉ नन्हे सिंह तथा डॉ सुरेश पुनिया भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों में शिक्षण तथा अनुसंधान के स्तर पर सुधारने में सहयोग देगा और इससे संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों के बीच आपसी संवाद तथा सहयोग बढ़ेगा। वे परस्पर सहमति द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम विकास गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी और वे लैबए लाइब्रेरी तथा उपकरणों को परस्पर साझा कर सकेंगे। एआईएसीटीआरए दिल्ली के प्रिंसिपल डॉ राजीव कपूर ने कहा कि समझौते से दोनों उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। दोनों संस्थानों में विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन तथा कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में पंजीकृत शोधार्थी परस्पर सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगेए जिससे शोध कार्यों में भी गुणवत्ता आयेगी। डॉ कपूर ने कहा कि एआईएसीटीआरए दिल्ली ने लगभग 90 प्रतिशत संकाय सदस्य पीएचडी है और शोध के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहे है। संस्थान के पास अनुसंधान कार्यों के लिए ढांचागत सुविधाएं भी पर्याप्त है। इस प्रकार, वाईएमसीए विश्वविद्यालय के शोधार्थी एआईएसीटीआरए दिल्ली में अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने के साथ.साथ संस्काय सदस्यों के साथ खुद को पंजीकृत करवा सकते है।

कुलपति प्रो दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते हुए अधिकारी।

NEWS CLIPPING: 07.06.2018

HINDUSTAN

इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में रिसर्च केंद्र बनेगा

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

अकादमिक और शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को वाईएमसीए विवि और अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजिस एंड रिसर्च (एआईएसीटीआर) के बीच एक समझौता हुआ है।

वाईएमसीए के कुलपति ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों में शिक्षण तथा अनुसंधान के स्तर पर सुधारने में सहयोग देगा। इससे संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों के बीच आपसी संवाद तथा सहयोग बढ़ेगा। वे परस्पर सहमति द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम विकास गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी और वे लैब, लाइब्रेरी तथा उपकरणों को परस्पर साझा कर सकेंगे।

एआईएसीटीआर प्राचार्य डॉ. राजीव कपूर ने कहा कि समझौते से दोनों उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

करार

- वाईएमसीए विश्वविद्यालय और एआईएसीटीआर के बीच समझौता
- समझौते से शिक्षण तथा अनुसंधान के स्तर में सुधारने होगा

NEWS CLIPPING: 07.06.2018

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का एआईएसीटीआर संग करार

फरीदाबाद | अकादमिक व शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च (एआईएसीटीआर) दिल्ली के साथ समझौता किया है। वाईएमसीए के डीन (अकादमिक) प्रो. विक्रम सिंह व एआईएसीटीआर के प्रिंसिपल डॉ. राजीव कपूर ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान कुलपति ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों में शिक्षण व अनुसंधान के स्तर पर सुधारने में सहयोग देगा। इससे संकाय सदस्यों व शोधार्थियों के बीच आपसी संवाद व सहयोग बढ़ेगा।

NEWS CLIPPING: 07.06.2018

NAVBHARAT TIMES

हुआ समझौता

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

: अकादमिक व शोध के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने आंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस कम्यूनिकेशन टेक्नॉलजी एंड रिसर्च दिल्ली के साथ समझौता किया है। वाईएमसीए के डीन प्रफेसर विक्रम सिंह और एआईएसीटीआर के प्रिंसिपल डॉ. राजीव कपूर ने कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर डॉ. मनीष वशिष्ठ, डॉ. राज कुमार, डॉ. कोमल भाटिया, डॉ. नन्हे सिंह, डॉ. सुरेश पुनिया मौजूद रहे।